इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूज़लेटर प्रति वर्ष 40/रुपये

(आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित संगठन)

आईआईबीएफ विज़न

व्यावसायिक उत्कृष्टता
के प्रति प्रतिबद्ध

खंड सं. : 8 अंक सं. :12 ज्जुलाई, 2016 पृष्ठों की सं 13

दर्शन (**विज़न**)**:** "बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक विकसित और शिक्षित करना।

ध्येय (**मिशन**) **:** "प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श / सलाह और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से व्यावसायिक रूप से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।"

इस अंक में

मुख्य घटनाएं ----------2
बैंकिंग से सम्बन्धित नीतियां----------2
बैंकिंग जगत की घटनाएं----------4
विनियामकों के कथन ---------- 4
नयी नियुक्तिया ---------- 5
उत्पाद एवं गठजोड ---------- 5
विदेशी मुद्रा ----------6
शब्दावली ---------- ---------- ------ 7
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ----------7
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ---------- 7
संस्थान समाचार ---------- 8
बाज़ार की खबरें ---------- 11

"इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों / मीडिया में प्रकाशित हो चुकी / चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की / किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना / समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित / उल्लिखित घटनाएं सम्बन्धित स्रोत द्वारा यथा अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों / घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सूचना की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी प्रकार से न तो उत्तरदायी है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।"

मुख्य घटनाएं

भारतीय रिज़र्व बैंक जारी करेगा अंतर्निविष्ट अक्षर 'एस' के साथ 20 रुपये के बैंकनोट

भारतीय रिज़र्व बैंक शीघ्र ही महात्मा गांधी वाली श्रृंखला में 20 रुपये के मूल्यवर्ग वाले ऐसे बैंकनोट जारी करेगा जिसके दोनों नम्बर पैनलों में अंतर्निविष्ट अक्षर 'एस' के साथ भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ. रघुराम राजन के हस्ताक्षर मौजूद होंगे। पृष्ठभाग पर मुद्रण वर्ष '2016' मुद्रित होगा। अतीत में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 20 रुपये के मूल्यवर्ग में जारी किए गए सभी बैंकनोट भी वैध मुद्रा के रूप में बने रहेंगे।

भारतीय रिज़र्व बैंक 10 रुपये के नये सिक्के संचलन में लाएगा

भारतीय रिज़र्व बैंक स्वामी विवेकानंद की जन्मशती स्मरणोत्सव मनाने के लिए शीघ्र ही 10 रुपये के मूल्यवर्ग वाले सिक्के संचलन में लाएगा। ये सिक्के सिक्का निर्माण अधिनियम, 2011 में यथा उपबंधित रूप में वैध मुद्रा हैं। इस मूल्यवर्ग में मौजूद सिक्के वैध मुद्रा बने रहेंगे।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने प्रतिपक्ष ऋण जोखिम, मुख्य प्रतिपक्षियों के प्रति एक्सपोजर के लिए मानदंडों का प्रारूप जारी किए

भारतीय रिज़र्व बैंक ने व्युत्पन्नियों (derivatives) के लेनदेन से पैदा होने वाले प्रतिपक्ष ऋण जोखिम (CCR) तथा मुख्य प्रतिपक्षियों (CCPs) के प्रति बैंक एक्सपोजरों के लिए पूंजी की आवश्यकता हेतु एक्सपोजर के परिकलन के लिए दिशानिर्देशों का प्रारूप जारी कर दिया है। उक्त दिशानिर्देश बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति (BCBS) द्वारा अंतिम रूप दिए गए ढांचे पर आधारित हैं।

बैंकिंग से सम्बन्धित नीतियां

गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियां मूलभूत सुविधा परियोजनाओं का अंतरण पुनर्वित्तपोषण कर सकती हैं

भारतीय रिज़र्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (NBFCS) को अंतरण वित्तपोषण (takrover finance) के माध्यम से किसी भी मौजूदा मूलभूत सुविधा का पुनर्वित्तीयन करने एवं अन्य परियोजना ऋण प्रदान करने की अनुमति प्रदान कर दी है; इसे ऋण-पुनर्संरचना नहीं माना जाएगा। हालांकि, ऐसे ऋण ऋणदाताओं की बहियों में मानक होने चाहिए तथा ये अतीत में पुन: संरचित नहीं होने चाहिए। मूल्य की दृष्टि से बकाया ऋणों के 50% से अधिक मौजूदा वित्तपोषक ऋणदाताओं से पर्याप्त रूप से अधिगृहीत होने चाहिए तथा चुकौती अवधि परियोजना के जीवन चक्र और उससे होने वाले नकदी प्रवाह के अनुसार निर्धारित की जानी चाहिए।

दबावग्रस्त ऋणदताओं को भारतीय रिज़र्व बैंक से कुछ राहत मिली

भारतीय रिज़र्व बैंक ने दबावग्रस्त आस्तियों (S4A) की धारणीय संरचना के लिए एक योजना तैयार की है। दबावग्रस्त आस्ति की धारणीय संरचना का विशिष्ट रूप से लक्ष्यांकन उन परियोजनाओं पर है जिन्होंने वाणिज्यिक परिचालन प्रारंभ कर दिया है तथा सभी ऋणदाताओं का खातों में (उपचित ब्याज सहित) समग्र एक्सपोजर (रुपया ऋणों, विदेशी मुद्रा ऋणों / बाह्य वाणिज्यिक उधार सहित) 500 करोड़ रुपये से अधिक हो। उक्त ऋण की वहनीयता वर्तमान निधिक देयताओं की कम से कम 50% होनी चाहिए। बड़े खातों के मामले में ऋण समाधान योजना को मूल्य की दृष्टि से न्यूनतम 75% ऋणदाताओं और संयुक्त ऋणदाता मंच (JLF) में सहायता संघ / बैंक की संख्या के 50% ऋणदाताओं की सहमति प्राप्त होनी चाहिए।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने नयी गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के पंजीकरण की प्रक्रिया सरल बनाई

नयी गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के पंजीकरण की प्रक्रिया को आसान और अड़चन-रहित बनाने के उद्देश्य से भारतीय रिज़र्व बैंक ने पंजीकरण हेतु आवेदक गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले आवेदन पत्र और दस्तावेज़ों की जांच-सूची को संशोधित कर दिया है। प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज़ें की संख्या 45 दस्तावेज़ों के मौजूदा सेट से घटाकर 7-8 कर दी गई है। इसके अतिरिक्त अब से जमा न स्वीकार करने

वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (NBFC-NDs) के लिए निधियों के स्रोतों और ग्राहक अंतरापृष्ठ के आधार पर दो भिन्न-भिन्न प्रकार के आवेदन होंगे। '

सरकार ने मौद्रिक नीति समिति के गठन की प्रक्रिया आरंभ की

वृद्धि के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मूल्य स्थिरता के उद्देश्य से मौद्रिक नीति समिति (MPC) के लिए एक कानूनी और संस्थानीकृत ढांचा प्रदान करने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 को वित्त अधिनियम, 2016 द्वारा संशोधित कर दिया गया है। मौद्रिक नीति समिति के छ: सदस्यों में से गवर्नर, जो पदेन अध्यक्ष होंगे, भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर और भारतीय रिज़र्व बैंक के एक अधिकारी सहित तीन सदस्य भारतीय रिज़र्व बैंक से होंगे। मौद्रिक नीति समिति के अन्य तीन सदस्यों की नियुक्ति मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता वाली एक अन्वेषण -सह-चयन समिति की सिफारिश के आधार पर केन्द्रीय सरकार द्वारा की जाएगी। मौद्रिक नीति समिति के ये तीन सदस्य अर्थशास्त्र अथवा बैंकिंग या वित्त अथवा मौद्रिक नीति के विशेषज्ञ होंगे तथा उनकी नियुक्ति 4 वर्ष की अवधि के लिए की जाएगी और वे पुनर्नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। मौद्रिक नीति समिति की बैठकें एक वर्ष में कम से कम 4 बार आयोजित की जाएंगी तथा वह अपने निर्णयों को ऐसी प्रत्येक बैठक के बाद प्रचारित करेगी।

बैंकिंग जगत की घटनाएं

भारतीय रिज़र्व बैंक ने मुद्रास्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण की शुरुआत की

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) और थोक मूल्य सूचकांक (WPI) दोनों ही पर आधारित मुद्रास्फीति में वृद्धि की पृष्ठभूमि में भारतीय रिज़र्व बैंक ने अहमदाबाद, चंडीगढ़, पटना और तिरुअनंतपुरम सहित 18 शहरों में परिवारों के मुद्रास्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण के अपने जून 2016 वाले दौर की शुरुआत कर दी है। भारतीय रिज़र्व बैंक इन सर्वेक्षणों का आयोजन नियमित रूप से करता आ रहा है। भारतीय रिज़र्व बैंक की ओर से इस सर्वेक्षण के संचालन के लिए मुंबई स्थित हंसा रिसर्च ग्रुप को नियुक्त किया गया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक ई-भुगतान प्रणाली को बढ़ाने की तैयारी में

कमतर नकदी वाले भारत के लिए उत्तम श्रेणी की भुगतान एवं निपटान प्रणाली के निर्माण के अभियान में भारतीय रिज़र्व बैंक ने 'विजन 2018' नामक एक ऐसा दस्तावेज़ तैयार किया है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ अधिक आवृत्ति वाले निपटान चक्रों की शुरुआत के माध्यम से अपेक्षाकृत त्वरित संसाधन को समर्थ बनाने हेतु राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि

अंतरण (NEFT) प्रणाली की समीक्षा करने का समावेश है। उक्त दस्तावेज़ के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक भुगतानों, विशेषत: ई-वाणिज्य और एम-वाणिज्य को प्रेरित करने वाले इलेक्ट्रॉनिक भुगतानों के बढ़ते अंगीकरण के परिणामस्वरूप ऐसी अधिक त्वरित भुगतान सेवाओं की मांग बढ़ती जा रही है, जो वित्तीय लेनदेन करने की सहूलियत प्रदान करते हैं। व्यक्ति, व्यवसाय और सरकारी एजेन्सियां / विभाग अधिकाधिक रूप से राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण प्रणाली अपनाते जा रहे हैं।

विनियामकों के कथन

विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियां : भारतीय रिज़र्व बैंक को मोचन के दबाव की आशा नहीं

भारतीय रिज़र्व बैंक रुपया-डालर विनिमय दर में उस अतिशय अस्थिरता से निपटने हेतु पूर्णत: सुसज्जित है जो (लगभग 20 बिलियन अमरीकी डालर) की परिपक्व होने वाली विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों के कारण होने वाले डालर बहिर्वाह के कारण पैदा हो सकती है। भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने कहा है कि उन्होंने वायद बाज़ारों में इन बहिर्वाहों को रक्षित कर लिया है तथा वे परिपक्वता तक के भावी अंतराल में कुछ अग्रिम अंतरण (advance deliveries) प्राप्त करेंगे। हालांकि, भारतीय रिज़र्व बैंक उन लोगों में आत्मतुष्टि को नहीं प्रोत्साहित करना चाहता जिन्होंने यह मान कर उन्हें डालर बेच रखा है कि जब वे डालर नहीं प्रदान कर सकेंगे तो शीर्ष बैंक उन्हें उबारने (bail out) के लिए तैयार हो जाएगा।

अशोध्य ऋणों की बुराई दूर हो जाने पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को लाभ पहुंचेगा

भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने कहा है कि ऋण वृद्धि में मंदी व्यापक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग में दबाव के कारण आई है न कि ऊंची ब्याज दरों के कारण। इसप्रकार जिसकी जरूरत है वह है सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के तुलनपत्र की बुराई दूर करना, जो जारी है तथा जिसे उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना आवश्यक है।

नई नियुक्तियां

नाम	पदनाम / संगठन
श्री शशि अरोड़ा	मुख्य कार्यपालक एवं प्रबन्ध निदेशक, एअरटेल पेमेन्ट्स बैंक

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	जिस संगठन के साथ गठजोड़ व्यवस्था हुई	उद्देश्य
जम्मू एवं कश्मीर बैंक	स्टारऐग्री	संपार्श्विक प्रबन्धन सेवाओं तथा गोदाम रसीदों के वित्तीयन हेतु।
बैंक ऑफ इंडिया	रिलाएंस जनरल इंश्योरेंस	भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के नये विनियमों के अधीन।

विदेशी मुद्रा

जुलाई, 2016 माह के लिए लागू होने वाली विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की न्यूनतम दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	0.70210	0.77770	0.92110	0.92110	1.03200
जीबीपी	0.45760	0.582	0.589	0.619	0.673
यूरो	-0.19100	-0.2115	-0.1804	-0.1630	-0.0830
जापानी येन	-0.06500	-0.126	-0.155	-0.158	-0.146
कनाडाई डालर	0.93000	0.914	0.934	0.960	0.993
आस्ट्रेलियाई डालर	1.83700	1.800	1.810	2.000	2.020
स्विस फ्रैंक	-0.77250	-0.830	-0.825	-0.787	-0.731
डैनिश क्रोन	-0.02580	-0.0116	0.0252	0.0904	0.1727
न्यूजीलैंड डालर	2.28000	2.250	2. 250	2.290	2.350
स्वीडिश क्रोन	-0.51300	-0.431	-0.300	-0.145	0.022
सिंगापुर डालर	1.28000	1.420	1.550	1.670	1.770
हांगकांग डालर	0.75000	0.870	0.980	1.100	1.190
म्यामार	3.54000	3.520	3.530	3.560	3.600

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियां

मद	24 जून, 2016 के दिन	24 जून, 2016 के दिन

	बिलियन् रुपये	मिलियन अमरीकी डालर
	1	2
1.1 कुल प्रारक्षित निधियां	24, 375,1	3,60, 797.6
1.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	22, 744.5	3,36 ,580.2
1.3 सोना	1, 366.2	20, 328.9
1.4 विशेष आहरण अधिकार	101.3	1, 489.9
1.5 अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	163.1	2, 398.6

शब्दावली

गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी (NBFC)

गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी (NBFC) कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन पंजीकृत एक ऐसी कम्पनी होती है जो ऋणों एवं अग्रिमों, शेयरों / स्टॉकों / बॉण्डों / डिबेंचरों, सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा जारी प्रतिभूतियों अथवा उसी प्रकृति वाली अन्य विक्रेय प्रतिभूतियों के व्यवसाय, पट्टेदारी, किराया खरीद, बीमा व्यवसाय, चिट व्यवसाय में संलग्न होती है, किन्तु इसमें किसी ऐसी संस्था का समावेश नहीं होता जिसका मुख्य व्यवसाय कृषि कार्यकलाप, औद्योगिक गतिविधि, किसी माल (प्रतिभूतियों को छोड़कर) की खरीद या बिक्री करना या कोई सेवा प्रदान करना और अचल सम्पत्ति की बिक्री/खरीद /निर्माण करना हो। ऐसी गैर-बैंकिंग संस्था जो एक कम्पनी हो और जिसका मुख्य व्यवसाय किसी योजना या व्यवस्था के तहत अंशदानों के रूप में या किसी अन्य विधि से एकमुश्त या किस्तों में जमाराशियां स्वीकार करना हो, भी गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी (अवशिष्ट वित्तीय कम्पनी) होती है।

वित्तीय क्षेत्र की मूलभूत जानकारी

गिरावट अनुपात (Slippage Ratio)

(वर्ष के दौरान अनर्जक आस्तियों (NPAs) की अभिवृद्धि / वर्ष के प्रारंभ में कुल मानक आस्तियां) *100

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथिं	स्थल
1	आवास वित्त	11-7-16- 13-7-16	मुंबई
2	ऋण मूल्यांकन पर कम्पनी का आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम टीजेएसबी बैंक	11-7-16 -15-7-16	मुंबई
3	लघु एवं मध्यम उद्यम वित्तीयन	25-7-16 - 29-7-16	मुंबई
4	विपणन एवं ग्राहक सेवा	25-7-16 - 29-7-16	मुंबई
5	प्रमाणित ऋण अधिकारी - परीक्षोपरांत कक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम	21-7-16 - 24-7-16	चेन्नै
6	सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर अपराध	8-8-16 - 9-8-16	मुंबई
7	अपने ग्राहक को जानिए / धन-शोधन निवारण / आतंकवाद का मुकाबला	8-8-16 - 10-8-16	मुंबई
8	ऋण निगरानी पर कार्यक्रम	22-8-16 - 24-8-16	मुंबई
9	वसूली प्रबन्धन	28-8-16 - 30-8-16	मुंबई
10	ऋण मूल्यांकन पर कार्यक्रम	8-8-16 - 12-8-16	दिल्ली

संस्थान समाचार

व्यवसाय विश्लेषण के माध्यम से मूल्य वर्धन पर संगोष्ठी

संस्थान ने 2 जुलाई, 2016 को लीडरशिप सेंटर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैंस में "व्यवसाय विश्लेषण के माध्यम से मूल्य वर्धन" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया था। उक्त संगोष्ठी का उद्घाटन भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) के प्रबन्ध निदेशक श्री ए.पी. होता ने किया। इस संगोष्ठी के बाद एक पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसके बाद प्रश्न-उत्तर सत्र का संचालन किया गया। उक्त पैनल परिचर्चा में निजी और सार्वजनिक दोनों ही क्षेत्रों के बैंकिंग उद्योग के बैंकों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने भाग लिया।

बैंक क्वेस्ट और आईआईबीएफ विज़न के लिए अभिदानों का ऑनलाइन मोड में स्वीकार किया जाना

संस्थान ने 1 जुलाई, 2016 से बैंक क्वेस्ट और आईआईबीएफ विज़न के लिए अभिदान को एसबीआई कलेक्ट के माध्यम से ऑनलाइन मोड में संग्रहीत करने और मांग ड्राफ्ट के माध्यम से अभिदान स्वीकार करने की प्रथा बंद करने का निर्णय लिया है। यह अभिदान केवल एक वर्ष के लिए स्वीकार किया जाएगा। अन्य पक्ष द्वारा भुगतान नहीं स्वीकार किया जाएगा। घरेलू अभिदाताओं / संगठनों से अनुरोध है कि वे अभिदान का भुगतान ऑनलाइन मोड के माध्यम से सीधे ही करें। विदेशी अभिदाताओं के मामले में अभिदान हेतु आवेदन के मोड में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। विदेशी अभिदाता आवेदन पत्र हेतु publications@iibf.org.in. पर प्रकाशन विभाग को लिख सकते हैं। घरेलू अभिदाता / संगठन ऑनलाइन मोड में अभिदान के भुगतान के लिए कृपया आईआईबीएफ की वेबसाइट www.iibf.org.in. पर Online Registration / Services पृष्ठ देखें।

उन्नत प्रबन्धन कार्यक्रम 2016-17

इंडियन इंस्टट्यूट अफ बैंकिंग एण्ड फाइनैंस को अपने उन्नत प्रबन्धन कार्यक्रम अर्थात् एएमपी 2016-17 के 5वें बैच की शुरुआत करने में प्रसन्नता होती है। इस पाठ्यक्रम में आईआईएम कलकत्ता द्वारा प्रबन्धन विकास कार्यक्रम (MDP) का समावेश है। उक्त पाठ्यक्रम के 24 जुलाई, 2016 से प्रारंभ होने की आशा है। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.org.in. देखें।

सेवा कर की नई दर

वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग ने 1 जून, 2016 से किसी भी या सभी करयोगय सेवाओं पर 0.5% कृषि कल्याण उपकर की वसूली किए जाने की सूचना दी है। सेवा कर की प्रभावी दर 14% +0.5% (स्वच्छ भारत उप कर) + 0.5% (कृषि कल्याण उप कर) = 15.00%। तदनुसार संस्थान ने सभी शुल्कों में इस परिवर्तन को शामिल कर लिया है।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के आगामी अंकों की विषय-वस्तुएं इसप्रकार निर्धारित की गई हैं :

- जुलाई - सितम्बर, 2016 : दबावग्रस्त खातों का प्रबन्धन और वित्तीय स्थिरता
- अक्तूबर - दिसम्बर, 2016 : डिजिटल बैंकिंग
- जनवरी - मार्च, 2017 : व्यवसाय विश्लेषण
- अप्रैल - जून, 2017 : मूलभूत सुविधा वित्तीयन में चुनौतियां

अपने ग्राहक को जानिए / धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा

संस्थान अप्रैल, 2016 के बाद से अपने ग्राहक को जानिए / धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा का आयोजन तिमाही आधार पर करेगा। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.orgin देखें।

परीक्षा के लिए दिशानिर्देशों / महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के मई / जून माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के सम्बन्ध में प्रश्नपत्र में समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों / दिशानिर्देशों और बैंकिंग एव वित्त के क्षेत्र में केवल पिछले वर्ष के 31 दिसम्बर तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के नवम्बर / दिसम्बर माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के सम्बन्ध में प्रश्नपत्र में समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों / दिशानिर्देशों
और बैंकिंग एव वित्त के क्षेत्र में केवल पिछले वर्ष के 30 जून तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नयी पहलकदमी

वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये भेजने के लिए सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास अपने ई-मेल पते अद्यतन करवा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दें।

आईआईबीएफ के नये प्रकाशन

डिजिटल बैंकिंग

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैंस

मूल्य 295 रुपये

बैंकिंग
ऐन इंट्रोडक्शन

बैंकिंग
एक परिचय

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैंस

मूल्य 195 रुपये

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैंस

मूल्य 235 रुपये

ऊपर वर्णित प्रकाशन टैक्समैन पब्लिकेशन प्रा. लि.
के पास उपलब्ध हैं
पते के लिए WWW.IIBF.ORG.IN देखें

---

* भारत के समाचार पत्र पंजीकार (रजिस्ट्रार) के पास आरएनआई संख्या : 69228 /1998 के अधीन पंजीकृत

बाज़ार की खबरें

भारित औसत मांग दरें

6.8
6.6
6.4
6.2
6

जनवरी, 2016, फरवरी, 2016, मार्च, 2016, अप्रैल, 2016, मई, 2016, जून, 2016

स्त्रोत : भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड न्यूज़लेटर, 2016

भारतीय रिज़र्व बैंक की संदर्भ दरें

110
100
90
80
70

60
50
40

-- अमरीकी डालर
-- जीबीपी
-- यूरो
-- येन

जनवरी, 2016, फरवरी, 2016, मार्च, 2016, अप्रैल, 2016, मई, 2016, जून, 2016

स्त्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक (**RBI**),

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

16
15
14
13
12
11
10
9
8

दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2016, फरवरी, 2016, मार्च, 2016, अप्रैल, 2016, मई, 2016

स्त्रोत : भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मंथली इकॉनॉमिक रिव्यू, जून, 2016

बम्बई शेयर बाज़ार सूचकांक

28000
27000
26000
25000
24000
23000

22000

जनवरी, 2016, फरवरी, 2016, मार्च, 2016, अप्रैल, 2016, मई, 2016, जून, 2016

स्त्रोत : बम्बई शेयर बाज़ार (BSE)

समग्र जमा वृद्धि %

14
13
12
11
10
9
8

दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2016, फरवरी, 2016, मार्च, 2016, अप्रैल, 2016, मई, 2016

स्त्रोत: भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मंथली इकॉनॉमिक रिव्यू, जून, 2016

डॉ. जे. एन. मिश्र द्वारा मुद्रित, डॉ. जे. एन. मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स की ओ
प्रकाशित तथा ऑनलुकर प्रेस, 16 सासून डॉक, कोलाबा, मुंबई - 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट अ
एण्ड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कॉमर्शियल- II,, टॉवर -1, 2री मंजिल, किरोल रोड,कुर्ला (पश्चिम), मुंबई -400
प्रकाशित।
संपादक : डॉ. जे. एन. मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कॉमर्शियल- II, टॉवर -1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम)
मुंबई - 400 070
टेलीफोन : 91-22 2503 9604 / 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : iibgen@bom5 vsnl.net.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.

ABBRECIATIONS संकेताक्षर

ARR	Anualised Rate of Return	वर्षिक प्रतिलाभ दर
BCR	Benefit Cost Ratio	लाभ-लागत अनुपात
BOO	Build, Own, Operate	निर्माण, स्वामित्व, परिचालन
BOOT	Build, Own, Operate and Transfer	निर्माण, स्वामित्व, परिचालन एवं अंतरण
BPV	Basis Point Value	आधार अंक मूल्य
BRDS	Bil rediscounting Scheme	बिल पुनर्भुनाई योजना

CAPM	Capital Asset Pricing Method	पूंजीगत आस्ति मूल्य-निर्धारण पद्धति
CCF	Credit Conversion Factor	ऋण परिवर्तन कारक
CGAP	Consultative Group for Assisting the Poorest	निर्धनतम की सहायता हेतु परामर्शी दल
COF	Cost of Funds	निधि -लागत
DAP	Delivered At Place	स्थल पर सुपुर्द
DAT	Delivered At Terminal	गंतव्य / टर्मिनल पर सुपुर्द
DDA	Dimond Doller Account	डायमंड डालर खाता
DBFOT	Design, Finance, Build, Operate and Transfer	डिज़ाइन, वित्तीयन, निर्माण, परिचालन और अंतरण
DPO	Depository Participant Office	निक्षेपागार सहभागी कार्यालय
EAD	Exposure At Default	चूकपरक अनाश्रयता/ ऋण जोखिम
EAT	Earning After Tax	कर-पश्चात् अर्जन
ERG	Existance, Relatedness and Growth	अस्तित्व, सम्बद्धता और विकास
ETF	Exchange Traded Gold Funds	शेयर बाज़ार में खरीदी-बेची जाने वाली स्वर्ण निधियां
FIF	Financial Inclusion Fund	वित्तीय समावेशन निधि
FLCC	Financial Literacy and Credit Counselling	वित्तीय साक्षरता एवं ऋण परामर्श
FSA	Floor Space Area	
FSI	Floor Space Index	

ICAAP	Internal Capital Adequecy Assessment Process	आतरिक पूंजी पर्याप्तता निर्धारण प्रक्रिया
IFRS	International Financial Repository Standard	अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक
IPRE	Income Producing Real Estate	आय सर्जक स्थावर संपदा
LRM	Loan Review Nechanism	ऋण पुनरीक्षण व्यवस्था
NFS	Non-Farm Sector	कृषीतर क्षेत्र
NII	Net Interest Income	निवल ब्याजगत आय
NIM	Net Interest Margin	निवल ब्याज मार्जिन
NOI	Net Operating Income	निवल परिचालन आय
NOOPL	Net Over-night Open Position Limit	एक-दिवसीय निवल जोखिम-स्थिति सीमा
OIS	Over-night Index Swap	एक-दिवसीय ब्याज अदला-बदली
PBDIT	Profit Before Depreciation, Interesr and Tax	मूल्यह्रास, ब्याज, कर-पूर्व लाभ
PD	Probability of Defaut	चूक की संभाव्यता
P / E Ratio	Price-Earning Ratio	मूल्य-अर्जन अनुपात
PNCPS	Perpetual Non- Commu lative Preference Share	सतत असंचयी अधिमानी शेयर
RAPM	Risk Asset Pricing Method	□ोखिम आस्ति मूल्य-निर्धारण पद्धति
%GGVY	Rajeev Gandhi gramin Vidyutlkarn Yojna	राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना

SEDF	Small Entrepreneurship Development Fund	लघु उद्यमशीलता विकास निधि
STP	Straight Through Processing	सीधे संसाधन
SWOT	Strength, Weaknesses, Opportunities and Threats	शक्ति, कमजोरियां, अवसर और खतरे
UNP	Usance Promissory Note	मुद्दती वचनपत्र